श्री विघ्नेश्वरस्वरूपाय नमः

रत्नाभं सुप्रसन्नं शशिधरमकुटं रत्नभूषाभिरामं
शूलंखेटं कपालं शरं अपिच धनुर्बाहु संघैर्दधानं
मत्तेभारूढं आद्यं हरिहरतनयं कोमलांगं दयालुं
विश्वेशं भक्तपालं नतजनवरदं ग्रामपालं नमामि

श्री हरिहरपुत्र सहस्रनामावलिः

अस्य श्रीहरिहरपुत्र सहस्रनामस्तोत्र महामन्त्रस्य—अर्धनारीश्वर ऋषिः—अनुष्टुप् छन्दः—श्री हरिहरपुत्रो देवता—ह्रां बीजं—ह्रीं शक्तिः—ह्रूं कीलकं—श्री हरिहरपुत्र प्रसादसिध्यर्थे जपे विनियोगः। ह्रां अंगुष्ठाभ्यां नमः—ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः—ह्रूं मध्यमाभ्यां नमः—ह्रैं अनामिकाभ्यां नमः—ह्रौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः—ह्रः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः—ह्रां हृदयाय नमः—ह्रीं शिरसे स्वाहा—ह्रूं शिखायै वषट्—ह्रैं कवचाय हुं—ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट्—ह्रः अस्त्राय फट्—भूर्भुवःसुवरोमिति दिग्बन्धः।

ध्यानं

ध्यायेद् उमापतिरमापति भाग्यपुत्रं
वेत्रोज्वलत् करतलं भसिताभिरामं।
विश्वैकवश्यवपुषं मृगयाविनोदं
वाञ्छानुरूपफलदं वरभूतनाथं॥

पञ्चोपचाराः

मूलं

ओं घ्रूं नमः पराय गोप्त्रे नमः॥

ॐ

ॐ शिवपुत्राय नमः
,, महातेजसे ,,
,, शिवकार्यधुरन्धराय ,,
,, शिवप्रदाय ,,
,, शिवज्ञानिने ,,
,, शैवधर्म सुरक्षिताय ,,
,, शंखधारिणे ,,
,, सुराध्यक्षाय ,,
,, चन्द्रमौलये ,,
,, सुरोत्तमाय ,,
,, कामेशाय ,,
,, कामतेजस्विने ,,
,, कामादिफलसंयुताय ,,
,, कल्याणाय ,,
,, कोमलांगाय ,,
,, कल्याणफलदायकाय ,,

ॐ करुणाब्धये	नमः
,, कर्मदक्षाय	,,
,, करुणारस सागराय	,,
,, जगत् प्रियाय	,,
,, जगद् रक्षकाय	,,
,, जगदानन्ददायकाय	,,
,, जयादिशक्ति संसेव्याय	,,
,, जनाह्लादाय	,,
,, जिगीषुकाय	,,
,, जितेन्द्रियाय	,,
,, जितक्रोधाय	,,
,, जितदेवारी संघकाय	,,
,, जैमिन्यादिमुनि सेव्याय	,,
,, जरामरण नाशकाय	,,
,, जनार्दन सुताय	,,
,, ज्येष्ठाय	,,
,, ज्येष्ठादिगण सेविताय	,,
,, जन्महीनाय	,,
,, जितामोहाय	,,

ॐ जनकेनाभिपूजिताय	नमः
,, परमेष्ठिने	,,
,, पशुपतये	,,
,, पङ्कजासन पूजिताय	,,
,, पुरहन्त्रे	,,
,, पुरत्रात्रे	,,
,, परमैश्वर्यदायकाय	,,
,, पवनादिसुरैः सेव्याय	,,
,, पञ्चब्रह्म परायणाय	,,
,, पार्वतीतनयाय	,,
,, ब्रह्मणे	,,
,, परानन्दाय	,,
,, परात्पराय	,,
,, बृंहिष्ठाय	,,
,, ज्ञाननिरताय	,,
,, गुणागुणनिरूपकाय	,,
,, गुणाध्यक्षाय	,,
,, गुणनिधये	,,
,, गोपालेनाभिपूजिताय	,,

ॐ गोरक्षकाय नमः
,, गोधनाय ,,
,, गजारूढाय ,,
,, गजप्रियाय ,,
,, गजग्रीवाय ,,
,, गजस्कन्धाय ,,
,, गभस्तये ,,
,, गोपतये ,,
,, प्रभवे ,,
,, ग्रामपालाय ,,
,, गजाध्यक्षाय ,,
,, दिग्गजेनाभिपूजिताय ,,
,, गणाध्यक्षाय ,,
,, गणपतये ,,
,, गवांपतये ,,
,, अहःपतये ,,
,, जटाधराय ,,
,, जलनिभाय ,,
,, जैमिन्यैरभिपूजिताय ,,

ॐ जलन्धरनिहन्त्रे	नमः
,, शोणाक्षाय	,,
,, शोण वाससाय	,,
,, सुराधिपाय	,,
,, शोकहन्त्रे	,,
,, शोभाक्षाय	,,
,, सूर्यतेजसाय	,,
,, सुरार्चिताय	,,
,, सुरैर्वन्द्याय	,,
,, शोणांगाय	,,
,, शल्मलीपतये	,,
,, सज्योतिषे	,,
,, शरवीरघ्नाय	,,
,, शरच्चन्द्रनिभाननाय	,,
,, सनकादिमुनिध्येयाय	,,
,, सर्वज्ञानप्रदाय	,,
,, विभवे	,,
,, हलायुधाय	,,
,, हंसनिभाय	,,

ॐ हाहा हूहू मुखस्तुताय नमः
,, हरये ,,
,, हरप्रियाय ,,
,, हंसाय ,,
,, हर्यक्षासन तत्पराय ,,
,, पावनाय ,,
,, पावकनिभाय ,,
,, भक्तपापविनाशकाय ,,
,, भसितांगाय ,,
,, भयत्रात्रे ,,
,, भानुमते ,,
,, भयनाशनाय ,,
,, त्रिपुण्ड्रधारिणे ,,
,, त्रिनयनाय ,,
,, त्रिपुण्ड्रांगितमस्तकाय ,,
,, त्रिपुरघ्नाय ,,
,, देववराय ,,
,, देवारिकुलसंहृताय ,,
,, देवसेनाधिपाय ,,

ॐ तेजसे नमः

,, तेजोराशये ,,

,, दशाननाय ,,

,, दारुणाय ,,

,, दोषहन्त्रे ,,

,, दोर्दण्डाय ,,

,, दण्डनायकाय ,,

,, धनुष्पाणये ,,

,, धराध्यक्षाय ,,

,, धनिकाय ,,

,, धर्मवत्सलाय ,,

,, धर्मज्ञाय ,,

,, धर्मनिरताय ,,

,, धनुःशास्त्रपरायणाय ,,

,, स्थूलकर्णाय ,,

,, स्थूलतनवे ,,

,, स्थूलाक्षाय ,,

,, स्थूलबाहुकाय ,,

,, तनूत्तमाय ,,

ॐ तनुत्राणाय नमः
,, तारकाय ,,
,, तेजसां पतये ,,
,, योगीश्वराय ,,
,, योगनिधये ,,
,, योगिने ,,
,, योगसंस्थिताय ,,
,, मन्दारवाटिकाय ,,
,, मत्ताय ,,
,, मलयाचलवास भुवे ,,
,, मन्दारकुसुम प्रख्याय ,,
,, मन्दमारुत सेविताय ,,
,, महा भासाय ,,
,, महा वक्षसे ,,
,, मनोहर मदार्चिताय ,,
,, महोन्नताय ,,
,, महा कायाय ,,
,, महा नेत्राय ,,
,, महा हनवे ,,

ॐ मरुत् पूज्याय	नमः
,, मानघनाय	,,
,, मोहनाय	,,
,, मोक्षदायकाय	,,
,, मित्राय	,,
,, मेधावै	,,
,, महौजस्विने	,,
,, महावर्षप्रदायकाय	,,
,, भाषकाय	,,
,, भाष्य शास्त्रज्ञाय	,,
,, भानुमते	,,
,, भानु तेजसे	,,
,, भवानी पुत्रकाय	,,
,, भिषजे	,,
,, भवतारण कारणाय	,,
,, नीलाम्बराय	,,
,, नीलनिभाय	,,
,, नीलग्रीवाय	,,
,, निरञ्जनाय	,,

ॐ नेत्रत्रयाय नमः
,, निषादज्ञाय ,,
,, नानारत्नोपशोभिताय ,,
,, रत्नप्रभाय ,,
,, रमा पुत्राय ,,
,, रमया परितोषिताय ,,
,, राजसेव्याय ,,
,, राजधनाय ,,
,, रणदोर्द्दण्डमण्डिताय ,,
,, रमणाय ,,
,, रेणुका सेव्याय ,,
,, रजनीचरदारणाय ,,
,, ईशानाय ,,
,, इभराड् सेव्याय ,,
,, ईषणात्रय नाशनाय ,,
,, इडावासाय ,,
,, हेमनिभाय ,,
,, हैमप्राकार शोभिताय ,,
,, हरिहरात्मजाय ,,

ॐ हंसाय नमः
,, हयग्रीवाय ,,
,, हयप्रियाय ,,
,, हाटकस्फटिक प्रख्याय ,,
,, हंसारूढेन सेविताय ,,
,, वनवासाय ,,
,, वनाध्यक्षाय ,,
,, वामदेवाय ,,
,, वराननाय ,,
,, वैवस्वत पतये ,,
,, विष्णवे ,,
,, विराड् रूपाय ,,
,, विशालवते ,,
,, वेणुनादाय ,,
,, वरग्रीवाय ,,
,, वराभयकरान्विताय ,,
,, वर्चस्विने ,,
,, विपुलग्रीवाय ,,
,, विपुलाक्षाय ,,

ॐ विनोदवते नमः
,, वैणववनवासाय ,,
,, वामदेवेन सेविताय ,,
,, वेत्रहस्ताय ,,
,, वेदनिधये ,,
,, वंशदेवाय ,,
,, वरांगकाय ,,
,, ह्रींकाराय ,,
,, ह्रींमनसे ,,
,, हृष्टाय नमः ,,
,, हिरण्याय ,,
,, हेमसंभवाय ,,
,, हुताशाय ,,
,, हुतनिष्पन्नाय ,,
,, हुंकारकृति सुप्रभवे ,,
,, हव्यवाहाय ,,
,, हव्यकराय ,,
,, अट्टहासाय ,,
,, अपराहताय ,,

ॐ अणुरूपाय	नमः
,, रूपकराय	,,
,, अजराय	,,
,, अतनुरूपकाय	,,
,, हंसमन्त्राय	,,
,, हुतभुजे	,,
,, हेमांबराय	,,
,, सुलक्षणाय	,,
,, नीपप्रियाय	,,
,, नीलवाससे	,,
,, निधिपालाय	,,
,, निरातपाय	,,
,, क्रोडहस्ताय	,,
,, तपस्त्रात्रे	,,
,, तपोरक्षाय	,,
,, तपाह्वयाय	,,
,, मूर्धभिषजे	,,
,, मानघनाय	,,
,, मन्त्ररूपाय	,,

ॐ मृडाय	नमः
,, मनवे	,,
,, मेधाविने	,,
,, मेधसाय	,,
,, मुष्णवे	,,
,, मकराय	,,
,, मकरालयाय	,,
,, मार्ताण्डाय	,,
,, मञ्जुकेशाय	,,
,, मासपालाय	,,
,, महौषधये	,,
,, श्रोत्रियाय	,,
,, शोभमानाय	,,
,, सवित्रे	,,
,, सर्वदेशिकाय	,,
,, चन्द्रहासाय	,,
,, शमाय	,,
,, शक्ताय	,,
,, शशिभासाय	,,

ॐ समाधिकाय	नमः
,, सुदन्ताय	,,
,, सुकपोलाय	,,
,, षड्वर्णाय	,,
,, संपदोऽधिपाय	,,
,, गरळाय	,,
,, कालकण्ठाय	,,
,, गोनेत्रे	,,
,, गोमुख प्रभवे	,,
,, कौशिकाय	,,
,, कालदेवाय	,,
,, क्रोशकाय	,,
,, क्रौञ्चभेदकाय	,,
,, क्रियाकराय	,,
,, कृपालवे	,,
,, करवीर करोरुहाय	,,
,, कन्दर्पदर्पहारिणे	,,
,, कामदात्रे	,,
,, कपालकाय	,,

ॐ कैलास वासाय	नमः
,, वरदाय	,,
,, विरोचनाय	,,
,, विभावसवे	,,
,, बभ्रुवाहाय	,,
,, बलाध्यक्षाय	,,
,, फणामणि विभूषणाय	,,
,, सुन्दराय	,,
,, सुमुखाय	,,
,, स्वच्छाय	,,
,, सभासदे	,,
,, सभाकराय	,,
,, शरानिवृत्ताय	,,
,, शंकाक्षाय	,,
,, शरणागतपालकाय	,,
,, तीक्ष्ण दंष्ट्राय	,,
,, दीर्घजिह्वाय	,,
,, पिंगलाक्षाय	,,
,, पिशाचघ्ने	,,

ॐ अभेद्याय नमः
,, अंगदाढ्याय ,,
,, भोजपालाय ,,
,, भूपतये ,,
,, गृद्धनासाय ,,
,, अविषह्याय ,,
,, दिग्देहाय ,,
,, दैन्यदाहकाय ,,
,, बडबापूरितमुखाय ,,
,, व्यापकाय ,,
,, विषमोचकाय ,,
,, हसन्ताय ,,
,, समरक्रुद्धाय ,,
,, पुंगवाय ,,
,, पंकजासनाय ,,
,, विश्वदर्पाय ,,
,, निश्चिताज्ञाय ,,
,, नागाभरणभूषिताय ,,
,, भरताय ,,

ॐ भैरवाकाराय नमः

„ भरणाय „

„ वामनक्रियाय „

„ सिंहास्याय „

„ सिंहरूपाय „

„ सेनापतये „

„ सकारकाय „

„ सनातनाय „

„ सिद्धरुचये „

„ सिद्धधर्मपरायणाय „

„ आदित्यरूपाय „

„ आपद्घ्नाय „

„ अमृतांबोधिवासभुवे „

„ युवराजाय „

„ योगिवर्याय „

„ उपस्तेजसे „

„ उडुप्रभाय „

„ देवादिदेवाय „

„ दैवज्ञाय „

ॐ ताम्रोष्ठाय	नमः
,, ताम्रलोचनाय	,,
,, पिंगलाक्षाय	,,
,, पिंछचूडाय	,,
,, फणामणिविभूषिताय	,,
,, भुजंगभूषणाय	,,
,, भोगाय	,,
,, भोगानन्दकराय	,,
,, अभयाय	,,
,, पञ्चहस्तेन संपूज्याय	,,
,, पञ्चबाणेन सेविताय	,,
,, भवाय	,,
,, शर्वाय	,,
,, भानुमयाय	,,
,, प्राजापत्यस्वरूपकाय	,,
,, स्वच्छन्दाय	,,
,, च्छन्दःशास्त्रज्ञाय	,,
,, दान्ताय	,,
,, देवमनुप्रभवे	,,

ॐ दशभुजे	नमः
,, दलाध्यक्षाय	,,
,, दानवानां विनाशनाय	,,
,, सहस्राक्षाय	,,
,, शतनिष्पन्नाय	,,
,, शतानन्दाय	,,
,, समागमाय	,,
,, गरुडाद्रिवासाय	,,
,, गंभीराय	,,
,, गन्धग्राहाय	,,
,, गणेश्वराय	,,
,, गण्डकावासाय	,,
,, गोमेधाय	,,
,, गोकुलैः परिवारिताय	,,
,, परिवेषाय	,,
,, पदज्ञानिने	,,
,, प्रियङ्गुद्रुमवासकाय	,,
,, गुहावासाय	,,
,, गुरुवराय	,,

ॐ वन्दनीयाय	नमः
,, वदान्यकाय	,,
,, वृत्ताकाराय	,,
,, वेणुपाणये	,,
,, वीणादण्डधराय	,,
,, हराय	,,
,, हैमिल्याय	,,
,, होतृसुभगाय	,,
,, हौत्रज्ञाय	,,
,, ओजसां पत्ये	,,
,, पवमानाय	,,
,, प्रजातन्तुप्रदाय	,,
,, दण्डविनाशनाय	,,
,, निमील्याय	,,
,, निमिषार्द्धज्ञाय	,,
,, निमिषाकारकारणाय	,,
,, लिगुडाभाय	,,
,, लिडाकाराय	,,
,, लक्ष्मीवन्द्याय	,,

ॐ वरप्रभवे	नमः
,, इडाज्ञाय	,,
,, पिंगलावासाय	,,
,, सुषुम्नामध्यसंभवाय	,,
,, भिक्षाटनाय	,,
,, भीमवर्चसे	,,
,, वरकीर्तये	,,
,, सभेश्वराय	,,
,, वाचातीताय	,,
,, वरनिधये	,,
,, परिवेत्रे	,,
,, प्रमाणकाय	,,
,, अप्रमेयाय	,,
,, अनिरुद्धाय	,,
,, अनन्तआदित्यवर्चसे	,,
,, वेषप्रियाय	,,
,, विषग्राहाय	,,
,, वरदानकरोत्तमाय	,,
,, विपिनाय	,,

ॐ वेदसाराय	नमः
,, वेदान्तैः परितोषिताय	,,
,, वक्रागमाय	,,
,, वक्रवाचाय	,,
,, बलदात्रे	,,
,, विमानवते	,,
,, वज्रकान्ताय	,,
,, वंशवराय	,,
,, वटुरक्षाविशारदाय	,,
,, वप्रक्रीडाय	,,
,, विप्रपूज्याय	,,
,, वेलाराशिचलालकाय	,,
,, क्रोडास्याय	,,
,, क्रोडनेत्राय	,,
,, कोलाहलाय	,,
,, कपालभृते	,,
,, कञ्जरीटाय	,,
,, मञ्जुवाससे	,,
,, क्रियामाणाय	,,

ॐ क्रियाप्रदाय नमः
,, क्रीडानाथाय ,,
,, कीलहस्ताय ,,
,, क्रोशमानाय ,,
,, कुलान्तकाय ,,
,, खनकाय ,,
,, होतृभागाय ,,
,, खवासाय ,,
,, खचराय ,,
,, खगाय ,,
,, गणकाय ,,
,, गुणनिर्दुष्टाय ,,
,, गुणत्यागाय ,,
,, कुशाधिपाय ,,
,, पाटलाय ,,
,, पत्रधारिणे ,,
,, पालाशाय ,,
,, पुत्रवर्धनाय ,,
,, पितृसच्चरिताय ,,

ॐ पेष्टवे	नमः
,, पापभस्मने	,,
,, पुनःशुचये	,,
,, फालनेत्राय	,,
,, फुल्लकेशाय	,,
,, फुल्लकल्हारभूषिताय	,,
,, फणिसेव्याय	,,
,, पट्टभद्राय	,,
,, पटवे	,,
,, वाग्मिने	,,
,, वयोऽधिकाय	,,
,, चोरनाट्याय	,,
,, चोरवेषाय	,,
,, चोरघ्नाय	,,
,, चौर्यवर्धनाय	,,
,, चञ्चलाक्षाय	,,
,, चामरकाय	,,
,, मरीचये	,,
,, मन्दगामिकाय	,,

ॐ मृडाभाय	नमः
,, मेषवाहाय	,,
,, मैथिल्याय	,,
,, मोचकाय	,,
,, मनसे	,,
,, मनुरूपाय	,,
,, मन्त्रदेवाय	,,
,, मन्त्रराशये	,,
,, महाद्दढाय	,,
,, स्थूपिज्ञाय	,,
,, धनदात्रे	,,
,, देववन्द्याय	,,
,, तारणाय	,,
,, यज्ञप्रियाय	,,
,, यमाध्यक्षाय	,,
,, इभक्रीडाय	,,
,, इभेक्षणाय	,,
,, दधिप्रियाय	,,
,, दुराधर्षाय	,,

ॐ दारुपालाय नमः

,, दनूजघ्ने ,,

,, दामोदराय ,,

,, दामधराय ,,

,, दक्षिणामूर्तिरूपकाय ,,

,, शचीपूज्याय ,,

,, शंखकर्णाय ,,

,, चन्द्रचूडाय ,,

,, मनुप्रियाय ,,

,, गुडरूपाय ,,

,, गुडाकेशाय ,,

,, कुलधर्मपरायणाय ,,

,, कालकण्ठाय ,,

,, गाढगात्राय ,,

,, गोत्ररूपाय ,,

,, कुलेश्वराय ,,

,, आनन्दभैरवाराध्याय ,,

,, हयमेधफलप्रदाय ,,

,, दध्यन्नआसक्तहृदयाय ,,

ॐ गुडान्नप्रीतमानसाय	नमः
,, घृतान्नआसक्तहृद्याय	,,
,, गौरांगाय	,,
,, गर्वभञ्जकाय	,,
,, गणेशपूज्याय	,,
,, गगनाय	,,
,, गणानां पतये	,,
,, गर्जिताय	,,
,, छद्महीनाय	,,
,, शशिरदाय	,,
,, शत्रूणां पतये	,,
,, अंगिरसे	,,
,, चराचरमयाय	,,
,, शान्ताय	,,
,, शरभेशाय	,,
,, शतातपाय	,,
,, वीराराध्याय	,,
,, वक्रगमाय	,,
,, वेदांगाय	,,

ॐ वेदसञ्चाराय	नमः
,, पर्वतारोहणाय	,,
,, पूष्णे	,,
,, परमेशाय	,,
,, प्रजापतये	,,
,, भावज्ञाय	,,
,, भवरोगघ्नाय	,,
,, भवसागरतारणाय	,,
,, चिदग्निदेहाय	,,
,, चिद्रूपाय	,,
,, चिदानन्दाय	,,
,, चिदाकृतये	,,
,, नाट्यप्रियाय	,,
,, नरपतये	,,
,, नरनारायणार्चिताय	,,
,, निषादराजाय	,,
,, नीहाराय	,,
,, नेष्ट्रे	,,
,, निष्ठुरभाषणाय	,,

ॐ निम्नप्रियाय नमः
,, नीलनेत्राय ,,
,, नीलांगाय ,,
,, नीलकेशाय ,,
,, सिंहाक्षाय ,,
,, सर्वविघ्नेशाय ,,
,, सामवेदपरायणाय ,,
,, सनकादिमुनिध्येयाय ,,
,, शर्वरीशाय ,,
,, षडाननाय ,,
,, सुरूपाय ,,
,, सुलभाय ,,
,, स्वर्गाय ,,
,, शचीनाथेन पूजिताय ,,
,, काकीनाय ,,
,, कामदहनाय ,,
,, दग्धपापाय ,,
,, धराधिपाय ,,
,, दामग्रन्थिने ,,

ॐ शतस्त्रीशाय	नमः
,, तन्त्रीपालाय	,,
,, तारकाय	,,
,, ताम्राक्षाय	,,
,, तीक्ष्णदंष्ट्राय	,,
,, तिलभोज्याय	,,
,, तिलोदराय	,,
,, माण्डुकर्णाय	,,
,, मृडाधीशाय	,,
,, मेरुवर्णाय	,,
,, महोदराय	,,
,, मार्त्तण्ड भैरवाराध्याय	,,
,, मणिरूपाय	,,
,, मरुद्वहाय	,,
,, माषप्रियाय	,,
,, मधुपानाय	,,
,, मृणालाय	,,
,, मोहिनीपतये	,,
,, महाकामेशनयनाय	,,

ॐ माधवाय	नमः
,, मदगर्विताय	,,
,, मूलाधारांबुजावासाय	,,
,, मूलविद्यास्वरूपकाय	,,
,, स्वाधिष्ठानमयाय	,,
,, स्वस्थाय	,,
,, स्वस्तिवाक्याय	,,
,, स्रुवायुधाय	,,
,, मणिपूराब्जनिलयाय	,,
,, महाभैरवपूजिताय	,,
,, अनाहताब्जरसिकाय	,,
,, ह्रींकाररसपेशलाय	,,
,, भ्रूमध्यवासाय	,,
,, भ्रूकान्ताय	,,
,, भरद्वाजेन पूजिताय	,,
,, सहस्रारांबुजावासाय	,,
,, सवित्रे	,,
,, सामवाचकाय	,,
,, मुकुन्दाय	,,

ॐ गुणातीताय नमः
,, गुणपूज्याय ,,
,, गुणाश्रयाय ,,
,, धन्याय ,,
,, धनभृते ,,
,, दाहाय ,,
,, धनदानकरांबुजाय ,,
,, महाशयाय ,,
,, महातीताय ,,
,, मायाहीनाय ,,
,, मदर्चिताय ,,
,, माठराय ,,
,, मोक्षफलदाय ,,
,, मद्वैरिकुलनाशनाय ,,
,, पिंगलाय ,,
,, पिञ्छचूडाय ,,
,, पिशिताशपवित्रकाय ,,
,, पायसान्नप्रियाय ,,
,, पर्वपक्षमासविभाजकाय ,,

ॐ वज्रभूषाय नमः
,, वज्रकायाय ,,
,, विरिञ्चाय ,,
,, वरवक्षसाय ,,
,, विज्ञानकलिकाबृन्दाय ,,
,, विश्वरूपप्रदर्शकाय ,,
,, डंबघ्नाय ,,
,, दमघोषघ्नाय ,,
,, दासपालाय ,,
,, तपौजसाय ,,
,, द्रोणकुंभाभिषिक्ताय ,,
,, द्रोहिनाशाय ,,
,, तपातुराय ,,
,, महाधीरेन्द्रवरदाय ,,
,, महासंसारनाशनाय ,,
,, लाकिनीहाकिनीलब्धाय ,,
,, लवणांबोधितारणाय ,,
,, काकिनाय ,,
,, कालपाशघ्नाय ,,

ॐ कर्मबन्धविमोचकाय	नमः
,, मोचकाय	,,
,, मोहनिर्भिन्नाय	,,
,, भकाराध्याय	,,
,, बृहत्तनवे	,,
,, अक्षयाय	,,
,, अक्रूरवरदाय	,,
,, वक्रागमविनाशनाय	,,
,, डाकिनाय	,,
,, सूर्यतेजस्विने	,,
,, सर्वभूषाय	,,
,, सद्गुरवे	,,
,, स्वतन्त्राय	,,
,, सर्वतन्त्रेशाय	,,
,, दक्षिणामूर्त्तिरूपकाय	,,
,, चिद्सदानन्द्कलिकाय	,,
,, प्रेमरूपाय	,,
,, प्रियंकराय	,,
,, मिथ्याजगद्अधिष्ठानाय	,,

ॐ मुक्तिदाय	नमः
,, मुक्तिरूपकाय	,,
,, मुमुक्षवे	,,
,, कर्मफलदाय	,,
,, मार्गदक्षाय	,,
,, कार्मणाय	,,
,, महाबुद्धाय	,,
,, महाशुद्धाय	,,
,, शुकवर्णाय	,,
,, शुकप्रियाय	,,
,, सोमप्रियाय	,,
,, सुरप्रीताय	,,
,, पर्वाराधनतत्पराय	,,
,, अजपाय	,,
,, जनहंसाय	,,
,, हलपाणिप्रपूजिताय	,,
,, अर्चिताय	,,
,, वर्चसाय	,,
,, वाग्मिने	,,

ॐ वीरवेषाय नमः
,, विधुप्रियाय ,,
,, लास्यप्रियाय ,,
,, लयकराय ,,
,, लाभालाभविवर्जिताय ,,
,, पञ्चाननाय ,,
,, पञ्चगुरवे ,,
,, पञ्चयज्ञफलप्रदाय ,,
,, परशुहस्ताय ,,
,, पावकेशाय ,,
,, पर्जन्यसमगर्जिताय ,,
,, पापारये ,,
,, परमोदाराय ,,
,, प्रजेशाय ,,
,, पंकनाशनाय ,,
,, नष्टकर्मणे ,,
,, नष्टवैराय ,,
,, इष्टसिद्धिप्रदायकाय ,,
,, नागाधीशाय ,,

ॐ नष्टपापाय नमः
,, इष्टनामविधायकाय ,,
,, सामरस्याय ,,
,, अप्रमेयाय ,,
,, पाषण्डिने ,,
,, पर्वतप्रियाय ,,
,, पञ्चकृत्याय ,,
,, परोपेताय ,,
,, पञ्चपञ्चातिशायिकाय ,,
,, पद्माक्षाय ,,
,, पद्मवदनाय ,,
,, पावकाभाय ,,
,, प्रियंकराय ,,
,, कार्त्तस्वरांगाय ,,
,, गौरांगाय ,,
,, गौरीपुत्राय ,,
,, गणेश्वराय ,,
,, आश्लिष्टाय ,,
,, श्लिष्टवपुषे ,,

ॐ शीतांशवे नमः
,, शुभदीधितये ,,
,, दक्षध्वंसाय ,,
,, दक्षकराय ,,
,, वराय ,,
,, कात्यायनीसुताय ,,
,, सुमुखाय ,,
,, मार्गणाय ,,
,, गर्भाय ,,
,, गर्वभंगाय ,,
,, कुशासनाय ,,
,, कुलपालपतये ,,
,, श्रेष्ठाय ,,
,, पवमानाय ,,
,, प्रजाधिपाय ,,
,, दर्शप्रियाय ,,
,, दुर्विकाराय ,,
,, दीर्घकायाय ,,
,, दिवाकराय ,,

ॐ भेरीनादप्रियाय नमः

,, बृन्दाय ,,

,, बृहत्सेनाय ,,

,, सुपालकाय ,,

,, सुब्रह्मणे ,,

,, ब्रह्मरसिकाय ,,

,, रसज्ञाय ,,

,, रजताद्रिभासे ,,

,, तिमिरघ्नाय ,,

,, मिहिराभाय ,,

,, महानीलसमप्रभाय ,,

,, श्रीचन्दनविलिप्तांगाय ,,

,, श्रीपुत्राय ,,

,, श्रीतरुप्रियाय ,,

,, लाक्षावर्णाय ,,

,, लसत्कर्णाय ,,

,, रजनीध्वंसिसन्निभाय ,,

,, बिन्दुप्रियाय ,,

,, अंबिकापुत्राय ,,

ॐ बैन्दवाय नमः
,, बलनायकाय ,,
,, आपन्नतारकाय ,,
,, तप्ताय ,,
,, तप्तकृच्छ्रफलप्रदाय ,,
,, मरुद्वृधाय ,,
,, महाखर्वाय ,,
,, चिरावासाय ,,
,, शिखिप्रियाय ,,
,, आयुष्मते ,,
,, अनघाय ,,
,, दूताय ,,
,, आयुर्वेदपरायणाय ,,
,, हंसाय ,,
,, परमहंसाय ,,
,, अवधूताश्रमप्रियाय ,,
,, अश्ववेगाय ,,
,, अश्वहृदयाय ,,
,, हयधैर्यफलप्रदाय ,,

ॐ सुमुखाय नमः
,, दुर्मुखाय ,,
,, विघ्नाय ,,
,, अविघ्नाय ,,
,, विघ्नविनाशनाय ,,
,, आर्याय ,,
,, नाथाय ,,
,, अर्यमाभासाय ,,
,, फल्गुनाय ,,
,, पार्वतीप्रियाय ,,
,, अरातिघ्नाय ,,
,, घनग्रीवाय ,,
,, ग्रीष्मसूर्यसमप्रभाय ,,
,, किरीटिने ,,
,, कल्पशास्त्रज्ञाय ,,
,, कल्पानलविधायकाय ,,
,, ज्ञानविज्ञानफलदाय ,,
,, विरिञ्चारिविनाशनाय ,,
,, वीरमार्त्ताण्डवरदाय ,,

ॐ वीरबाहवे	नमः
,, पूर्वजाय	,,
,, वीरसिंहासनाय	,,
,, विज्ञाय	,,
,, वीरकार्याय	,,
,, अस्त्रदानवाय	,,
,, नरवीरसुहृद्भ्रात्रे	,,
,, नागरत्नविभूषिताय	,,
,, वाचस्पतये	,,
,, पुरारातये	,,
,, संवर्त्ताय	,,
,, समरेश्वराय	,,
,, उरुवाग्मिने	,,
,, उमापुत्राय	,,
,, उड्डुलोकसुरक्षकाय	,,
,, शृंगाररससंपूर्णाय	,,
,, सिंधूरतिलकांकिताय	,,
,, कुंकुमांकित सर्वांगाय	,,
,, कालिकेयविनाशनाय	,,

ॐ मत्तनागप्रियाय नमः
,, नीताय ,,
,, नागगन्धर्वपूजिताय ,,
,, सुस्वप्नबोधकाय ,,
,, बोधाय ,,
,, गौरीदुःस्वप्ननाशनाय ,,
,, चिंताराशिपरिध्वंसिने ,,
,, चिन्तामणिविभूषिताय ,,
,, चलाचलजगद्स्रष्ट्रे ,,
,, चलत्कुण्डलकर्णयुजे ,,
,, मुकुरास्याय ,,
,, मूलनिधये ,,
,, निधिद्वयनिषेविताय ,,
,, नीराजनप्रीतमानसे ,,
,, नीरनेत्राय ,,
,, नयप्रदाय ,,
,, केदारेशाय ,,
,, किराताय ,,
,, कालात्मने ,,

ॐ कल्पविग्रहाय नमः
,, कल्पान्तभैरवाराध्याय ,,
,, कंकपत्रशरायुधाय ,,
,, कलाकाष्ठास्वरूपाय ,,
,, ऋतुवर्षादिमासवते ,,
,, दिनेशमण्डलावासाय ,,
,, वासवेनप्रपूजिताय ,,
,, बहुलास्तंबकर्मज्ञाय ,,
,, पञ्चाशद्वर्णरूपकाय ,,
,, चिंताहीनाय ,,
,, चिदाक्रान्ताय ,,
,, चारुपालाय ,,
,, बलायुधाय ,,
,, बन्धूककुसुमप्रख्याय ,,
,, परगर्वविभञ्जनाय ,,
,, विद्वत्तमाय ,,
,, विराधघ्नाय ,,
,, सचित्राय ,,
,, चित्रकर्मकाय ,,

ॐ संगीतलोलुपमानसे	नमः
,, स्निग्धगंभीरगर्जिताय	,,
,, तुंगवक्त्राय	,,
,, स्तवरसाय	,,
,, अभ्राभाय	,,
,, भ्रमरेक्षणाय	,,
,, लीलाकमलहस्ताब्जाय	,,
,, बालकुन्दविभूषिताय	,,
,, लोध्रप्रसवशुद्धाभाय	,,
,, शिरीषकुसुमप्रियाय	,,
,, त्रासत्राणकराय	,,
,, तत्वाय	,,
,, तत्ववाक्यार्थबोधकाय	,,
,, वर्षीयसे	,,
,, विधातव्याय	,,
,, वेदान्तप्रतिपादकाय	,,
,, मूलभूताय	,,
,, मूलतत्वाय	,,
,, मूलकारणविग्रहाय	,,

ॐ	आदिनाथाय	नमः
,,	अक्षयफलपाणये	,,
,,	जन्मपराजिताय	,,
,,	गानप्रियाय	,,
,,	गानलोलाय	,,
,,	महेशाय	,,
,,	विज्ञमानसाय	,,
,,	गिरिजास्तन्यरसिकाय	,,
,,	गिरिराजवरस्तुताय	,,
,,	पीयूषकुंभहस्ताब्जाय	,,
,,	पाशत्यागाय	,,
,,	चिरन्तनाय	,,
,,	सुधालालसवक्त्राब्जाय	,,
,,	सुरद्रुमफलेप्सिताय	,,
,,	रत्नहाटकभूषांगाय	,,
,,	रावणादिप्रपूजिताय	,,
,,	कनत्कालेशसुप्रीताय	,,
,,	क्रौञ्चगर्वविनाशनाय	,,
,,	अशेषजनसंमोहाय	,,

ॐ आयुर्विद्याफलप्रदाय नमः
,, अवबद्धदुकूलांगाय ,,
,, हारालंकृतकन्धराय ,,
,, केतकीकुसुमप्रीताय ,,
,, कळभैःपरिवारिताय ,,
,, केकाप्रियाय ,,
,, कार्तिकेयाय ,,
,, सारंगनिनदप्रियाय ,,
,, चातकालापसन्तुष्टाय ,,
,, चमरीमृगसेविताय ,,
,, आम्रकूटाद्रिसञ्चाराय ,,
,, आम्नायफलदायकाय ,,
,, अक्षसूत्रधृतपाणये ,,
,, अक्षिरोगविनाशनाय ,,
,, मुकुन्दपूज्याय ,,
,, मोहांगाय ,,
,, मुनिमानसतोषिताय ,,
,, तैलाभिषिक्तसुशिरसे ,,
,, तर्जनीमुद्रदर्शनाय ,,

ॐ तटातकामनःप्रीताय नमः
,, तमोगुणविनाशनाय ,,
,, अनामयाय ,,
,, अनादर्शाय ,,
,, अर्जुनाभाय ,,
,, हुतप्रियाय ,,
,, षाड्गुण्यपरिसंपूर्णाय ,,
,, सप्ताश्वादिग्रहैःस्तुताय ,,
,, वीतशोकाय ,,
,, प्रसादज्ञाय ,,
,, सप्तप्राणवरप्रदाय ,,
,, सप्तार्चिषे ,,
,, त्रिनयनाय ,,
,, त्रिवेणीफलदायकाय ,,
,, कृष्णवर्त्मने ,,
,, वेदमुखाय ,,
,, दारुमण्डलमध्यगाय ,,
,, वीरनूपुरपादाब्जाय ,,
,, वीरकंकणपाणिमते ,,

ॐ विश्वमूर्त्तये नमः
,, शुद्धमुखाय ,,
,, शुद्धभस्मानुलेपनाय ,,
,, शुंभध्वंसिनीसंपूज्याय ,,
,, रक्तकुंभकुलान्तकाय ,,
,, निषादादिस्वरप्रीताय ,,
,, नमस्कारफलप्रदाय ,,
,, भक्तारिपञ्चतादायिने ,,
,, सज्जीकृतशरायुधाय ,,
,, अभयंकरमन्त्रज्ञाय ,,
,, कुब्जिकामन्त्रविग्रहाय ,,
,, धूम्रास्त्राय ,,
,, उग्रतेजस्विने ,,
,, दशकण्ठविनाशनाय ,,
,, आशुगायुधहस्ताब्जाय ,,
,, गदायुधकरांबुजाय ,,
,, पाशायुधसुपाणये ,,
,, कपालायुधसद्भुजाय ,,
,, सहस्रमूर्धवदनाय ,,

ॐ	सहस्रद्वयलोचनाय	नमः
,,	नानाहेतिधरपाणये	,,
,,	नानास्थिभूषणप्रियाय	,,
,,	आश्यामकोमलतनवे	,,
,,	आरक्तापांगलोचनाय	,,
,,	द्वादशाहक्रतुप्रीताय	,,
,,	पौण्डरीकफलप्रदाय	,,
,,	अप्तोर्यामक्रतुमयाय	,,
,,	चयनादिफलप्रदाय	,,
,,	पशुबन्धफलदात्रे	,,
,,	वाजपेयात्मदैवताय	,,
,,	आब्रह्मकीटजननावनात्मने	,,
,,	चंपकप्रियाय	,,
,,	पशुपाशविभागज्ञाय	,,
,,	पतिज्ञानप्रदायकाय	,,
,,	कल्पेश्वराय	,,
,,	कल्पवर्याय	,,
,,	जातवेदःप्रभाकराय	,,
,,	कुंभीश्वराय	,,

ॐ कुंभपाणये नमः
,, कुंकुमाक्तललाटकाय ,,
,, शिलीध्रपत्रसंकाशाय ,,
,, सिंहवक्त्रप्रमर्दनाय ,,
,, कोकिलध्वनिताकर्णिने ,,
,, कालनाशनतत्पराय ,,
,, नैयायिकमतघ्नाय ,,
,, बौद्धसंघविनाशनाय ,,
,, हेमाब्जाद्दतपाणये ,,
,, होमसन्तुष्टमानसाय ,,
,, पितृयज्ञस्यफलदाय ,,
,, पितेवजनरक्षकाय ,,
,, पदातिकर्मनिरताय ,,
,, पृषदाज्यप्रदायकाय ,,
,, महासुरवधोद्युक्ताय ,,
,, स्वास्त्रप्रत्यस्त्रवर्षकाय ,,
,, महावर्षतिरोधानाय ,,
,, नागाद्दतकरांबुजाय ,,
,, नमःस्वाहावषट्व्रौषट्पल्लवप्रतिपादकाय ,,

ॐ महीरसदृशग्रीवाय नमः
,, महीरसदृशस्तवाय ,,
,, तन्त्रीवादनहस्ताग्राय ,,
,, संगीतप्रियमानसाय ,,
,, चिदंशमुकुरावासाय ,,
,, मणिकूटाद्रिसञ्चाराय ,,
,, लीलासञ्चारतनुकाय ,,
,, लिंगशास्त्रप्रवर्तकाय ,,
,, राकेन्दुद्युतिसंपन्नाय ,,
,, यागकर्मफलप्रदाय ,,
,, मैनाकगिरिसञ्चाराय ,,
,, मधुवंशविनाशनाय ,,
,, तालखण्डपुरावासाय ,,
,, तमालल सत्तेजसे

ॐ श्रीपूर्णापुष्कलाम्बा समेत श्री हरिहरपुत्र स्वामिने नमः

॥ स्वामिये शरणम् अय्यप्प ॥

श्री धर्मशास्तुरष्टोत्तरशतनामावलिः

अस्य श्रीमहाशास्तृ महामन्त्रस्य-अर्धनारीश्वर ऋषिः-देवी गायत्रीछन्दः—श्री महाशास्तादेवता ह्रां बीजं—ह्रीं शक्तिः—ह्रूं कीलकं—श्री महाशास्तृ प्रसाद सिध्यर्थे जपेविनियोगः। ह्रां अंगुष्ठाभ्यां नमः—ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः—ह्रूं मध्यमाभ्यां नमः—ह्रैं अनामिकाभ्यां नमः—ह्रौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः—ह्रः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः—ह्रां हृदयाय नमः—ह्रीं शिरसे स्वाहा—ह्रूं शिखायै वषट्—ह्रैं कवचाय हुं—ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट्—ह्रः अस्त्राय-फट्—भूर्भुवःसुवरोमिति दिग्बन्धः।

ध्यानं

कल्हारोज्वलनीलकुन्तलभरं कालांबुद श्यामलं
कर्पूराकलिताभिराम वपुषं कान्तेन्दुबिंबाननं
श्री दण्डांकुश पाशशूल विलसत् पाणिं मदान्त-
द्विपारूढं शत्रुविमर्दनं हृदि महा शास्तारं आद्यं भजे

पञ्चोपचाराः

मूलं

ओं ह्रीं हरिहरपुत्राय पुत्रलाभाय शत्रुनाशाय मदगजवाहनाय महाशास्त्रे नमः ॥

ॐ

ॐ महाशास्त्रे नमः
,, महादेवाय ,,
,, महादेवसुताय ,,
,, अव्ययाय ,,
,, लोककर्त्रे ,,
,, लोकभर्त्रे ,,
,, लोकहर्त्रे ,,
,, परात्पराय ,,
,, त्रिलोकरक्षकाय ,,
,, धन्विने ,,
,, तपस्विने ,,
,, भूतसैनिकाय ,,
,, मन्त्रवेदिने ,,
,, महावेदिने ,,
,, मारुताय ,,

ॐ जगदीश्वराय नमः
,, लोकाध्यक्षाय ,,
,, अग्रण्ये ,,
,, श्रीमते ,,
,, अप्रमेयपराक्रमाय ,,
,, सिंहारूढाय ,,
,, गजारूढाय ,,
,, हयारूढाय ,,
,, महेश्वराय ,,
,, नानाशस्त्रधराय ,,
,, अनर्घाय ,,
,, नानाविद्याविशारदाय ,,
,, नानारूपधराय ,,
,, वीराय ,,
,, नानाप्राणिनिषेवकाय ,,
,, भूतेशाय ,,
,, भूतिदाय ,,
,, भृत्याय ,,
,, भुजंगाभरणोत्तमाय ,,

ॐ इक्षुधन्विने	नमः
,, पुष्पबाणाय	,,
,, महारूपाय	,,
,, महाप्रभवे	,,
,, मायादेवीसुताय	,,
,, मान्याय	,,
,, महानीताय	,,
,, महागुणाय	,,
,, महाशैवाय	,,
,, महारुद्राय	,,
,, वैष्णवाय	,,
,, विष्णुपूजकाय	,,
,, विघ्नेशाय	,,
,, वीरभद्रेशाय	,,
,, भैरवाय	,,
,, षण्मुखध्रुवाय	,,
,, मेरुश्रृंगसमासीनाय	,,
,, मुनिसंघनिषेविताय	,,
,, देवाय	,,

ॐ भद्राय नमः
,, जगन्नाथाय ,,
,, गणनाथाय ,,
,, गणेश्वराय ,,
,, महायोगिने ,,
,, महामायिने ,,
,, महाज्ञानिने ,,
,, महास्थिराय ,,
,, देवशास्त्रे ,,
,, भूतशास्त्रे ,,
,, भीमहासपराक्रमाय ,,
,, नागहाराय ,,
,, नागकेशाय ,,
,, व्योमकेशाय ,,
,, सनातनाय ,,
,, सुगुणाय ,,
,, निर्गुणाय ,,
,, नित्याय ,,
,, नित्यतृप्ताय ,,

ॐ निराश्रयाय नमः
,, लोकाश्रयाय ,,
,, गणाधीशाय ,,
,, चतुःषष्टिकलामयाय ,,
,, ऋग्यजुःसामाथर्वरूपिणे ,,
,, मल्लकासुरभञ्जनाय ,,
,, त्रिमूर्त्तये ,,
,, दैत्यमथनाय ,,
,, प्रकृतये ,,
,, पुरुषोत्तमाय ,,
,, कालज्ञानिने ,,
,, महाज्ञानिने ,,
,, कामदाय ,,
,, कमलेक्षणाय ,,
,, कल्पवृक्षाय ,,
,, महावृक्षाय ,,
,, विद्यावृक्षाय ,,
,, विभूतिदाय ,,
,, संसारतापविच्छेत्रे ,,

ॐ पशुलोकभयंकराय	नमः
,, रोगहन्त्रे	,,
,, प्राणधात्रे	,,
,, परगर्वविभञ्जनाय	,,
,, सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञाय	,,
,, नीतिमते	,,
,, पापभञ्जनाय	,,
,, पुष्कलापूर्णा संयुक्ताय	,,
,, परमात्मने	,,
,, सतांगतये	,,
,, अनन्तआदित्यसंकाशाय	,,
,, सुब्रह्मण्यानुजाय	,,
,, बलिने	,,
,, भक्तानुकंपिने	,,
,, देवेशाय	,,
,, भगवते	,,
,, भक्तवत्सलाय	,,

ॐ श्री पूर्णापुष्कलाम्बासमेत
श्री हरिहरपुत्रस्वामिने नमः

शास्तृ गायत्रि

ओं भूताधिपाय विद्महे भवपुत्राय धीमहि
तन्नो शास्ता प्रचोदयात् ॥

नमस्कार श्लोकाः

लोकवीरं महा पूज्यं सर्वरक्षाकरं विभुं
पार्वती हृदयानन्दं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये ...)

विप्रपूज्यं विश्ववन्द्यं विष्णुशंभोः प्रियं सुतं
क्षिप्र प्रसाद निरतं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये ...)

मत्त मातंग गमनं कारुण्यामृत पूरितं
सर्व विघ्नहरं देवं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये ...)

अस्मत् कुलेश्वरं देवं अस्मत् शत्रुविनाशनं
अस्मत् इष्टप्रदातारं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये ...)

पाण्ड्येश वंशतिलकं केरळे केळि विग्रहं
आर्त्तत्राणपरं देवं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये····)

त्र्यंबकपुराधीशं गणाधिप समन्वितं
गजारूढं अहं वन्दे शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये ···)

शिववीर्य समुद्भूतं श्रीनिवास तनुर्भवं
शिखिवाहानुजं देवं शास्तारं प्रणमाम्यहं
(स्वामिये····)

यस्य धन्वन्तरिर्माता पिता देवो महेश्वरः
तं शास्तारं अहं वन्दे महा रोग निवारणं
(स्वामिये ···)

भूतनाथदयासिन्धो सर्वभूत दयापर
रक्ष रक्ष महा बाहो शास्त्रे तुभ्यं नमो नमः
(स्वामिये ···)

आश्यामकोमलविशालतनुं विचित्र-
वासोवसानं अरुणोत्पल वामहस्तं
उत्तुङ्गरत्नमकुटं कुटिलाग्रकेशं
शास्तारं इष्टवरदं शरणं प्रपद्ये ॥ (स्वामिये ...)

अखिल भुवनदीपं भक्तचित्ताब्धसारं
सुरगणपरिसेव्यं तत्वं अस्यादिलक्ष्यं ।
हरिहरसुतं ईशं तारकब्रह्मरूपं
शबरिगिरिनिवासं भावयेत् भूतनाथं ॥
(स्वामिये....)

जीमूतश्यामधामा मणिमयविलस-
त्कुण्डलोल्लासिवक्त्रो
हस्ताब्जं दक्षमात्रोपममितरभुजं वामजानूपरिस्थं
बिभ्रत्पद्मासनस्थो परिकलिततनुर्योगपट्टेनजुष्टो
श्रीपूर्णापुष्कलाभ्यां पुरहरमुरजित्पुत्रकः
पातु शास्ता (स्वामिये....)

हृद्यं पूर्णानुकंपार्णवमृदुलहरीचञ्चलद्भ्रूविलासैः
आनीलश्लक्ष्णपक्ष्मावलि परिलसितं
(अय्यप्पा !) नेत्रयुग्मं विभो ! ते
सान्द्रच्छायं विशालारुणकमलदलाकारं
आमुग्धतारं
कारुण्यालोकलीला शिशिरित भुवनं
क्षिप्यतां मय्यनाथे ।। (स्वामिये....)

अन्यथा शरणं नास्ति त्वमेव शरणं मम
तस्मात् कारुण्यभावेन रक्ष रक्ष शबरीश्वरा
(स्वामिये ...)

करचरणकृतंवा कायजंकर्मजंवा
श्रवणनयनजंवा मानसंवा अपराधं
विहितं अविहितंवा सर्वं एतत् क्षमस्व
जयजय करुणाब्धे श्री धर्म शास्ता

।। स्वामिये शरणं अय्यप्प ।।